 ISSN 2581 9917

मेरा कहानी, मेरी जुबानी

प्रियंका

बी.कॉम. (2015-18), एनसीडब्ल्यूईबी।

बचपन से ही पढ़ने की इच्छा थी, लेकिन पिता जी की गरीबी व अनेक कुरीतियों से मेरा परिवार बंधा हुआ था, जैसे घर से बाहर न जाना, शिक्षा न प्राप्त करना इत्यादि। लेकिन मैं फिर भी उम्मीद के साथ रोज पिता जी से बोलती थी कि मुझे स्कूल जाना है। उम्र में मैं छोटी ही थी लेकिन और बच्चों की तरह स्कूल जाना चाहती थी। कुछ समय बाद ही पिताजी एवं उनके घरवालों ने माँ के साथ कोई संबंध रखने से मना कर दिया था। मेरी माँ जो कि हिम्मत का हिमालय और संयम का सागर है, अशिक्षित जरूर थी, लेकिन बड़ी आत्मशक्ति के साथ यहाँ दिल्ली आई और नानी के घर रहकर, अपने बच्चों का पेट पालने के लिए नौकरी करने लगी। नानी माँ ने मदद तो किया लेकिन ताने देने में पीछे नहीं रहती थीं। उनके तानों से मैं और मेरी माँ हमेशा परेशान रहतीं और सब्र का घूँटभर के शांतचित्त रहने का प्रयास करतीं। लेकिन शिक्षा प्राप्त करने की चाह अभी भी खत्म नहीं हुई थी। अभी तो यातनाएं शुरू ही हुई हैं और यातनाओं की सड़क पार करके मंजिल तक पहुंचना बाकी था। बस क्या था, फिर अनेक सी प्रार्थनाओं के चलते नानी माँ ने विद्यालय में दाखिला करा दिया। उस दिन लगा, मैंने कुछ तो हासिल कर लिया है।

नानी माँ के घर में वित्तीय अभाव के कारण अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ा। बचपन से ही ताने, डांट-फटकार सुनने, न जाने अपनों के अपशब्दों ने मुझे कठोर सा बना दिया था, लेकिन अभी भी मन में शिक्षा से और अधिक प्रगति करना बाकी था। घर में वित्तीय अभाव तो था ही, लेकिन मेरे विद्यालय में एक अध्यापिका थीं, जिन्होंने मुझे मानसिक रूप से मजबूत रखा और आशा दी तथा हार न मानने की नसीहत भी दी। मैंने इन्हीं अनमोल शब्द को अपने जीवन में लिख लिया और अमल किया। वैसे विद्यालय की उस सम्माननीय अध्यापिका ने अनेक सहायता प्रदान की व शिक्षा प्राप्त करने योग्य वस्तुएं भी उपलब्ध कराई, जैसे पेन, पेंसिल, नोटबुक इत्यादि और इसी के साथ मैंने अपनी 11वीं तक शिक्षा प्राप्त कर ली थी। 12वीं कक्षा में आने से खुशी तो बहुत हुई थी, लेकिन एक हादसे ने मुझे तोड़ सा दिया। घर के एक सदस्य ने मेरा 'रेप व शोषण' करने की कोशिश की। लेकिन मैं बच निकली। हादसे ने मुझे एक नया पाठ पढ़ाया था कि न सिर्फ घर से बाहर इस समाज में बल्कि घर के अंदर भी सावधान व सर्तक रहना है। और जैसे-तैसे 12वीं कक्षा में 77 प्रतिशत अंक प्राप्त करने के बाद आगे शिक्षा न प्राप्त करने एवं अपने घर (हरियाणा) वापिस जाने का फैसला किया। क्योंकि उस समय मैंने अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देना ज्यादा आवश्यक समझा। परन्तु अपने गाँव में कुछ समय व्यतीत करने के बाद, मैंने महसूस किया 'मैं खत्म सी हो गई हूँ' और डर के मारे मैंने पुनः दिल्ली लौटने का फैसला किया। और एक बार फिर अनेकानेक प्रार्थना, रोना और कुछ और शर्त पूरी करने के बाद नानी माँ कॉलेज में दाखिले के लिए राजी हो गई। नानी माँ के ''हाँ'' बोलने पर फिर से जीवन में उमंग और उत्साह आ गया। बुरा लगता था कि मेरी सहेलियां कॉलेज जाती थीं, लेकिन ''मैं नहीं''। अतः मेरे कॉलेज जाने वाली खुशी अब सातवें आसमान पर थी। जैसा कि मेरे जीवन में हमेशा से ही अनेक अभाव थे और वित्तीय अभाव ने हमेशा से ही कमजोर बना दिया था। परन्तु कॉलेज में प्रवेश लेने के पश्चात् दो अध्यापिकों के स्नेह, सहयोग एवं मार्गदर्शन ने मेरे जीवन को एक नया आयाम दे दिया।

प्रथम वर्ष में मानसिक रूप से सहायता मुझे कॉलेज की ''रितिका मैम'' ने दिया और आध्यात्मिक रूप से आगे बढ़ाया। जैसे-जैसे मैं आगे बढ़ रही थी, मुझे 'प्राची मैम' मिलीं, जिन्होंने मुझे समझा, परखा और एक वित्तीय सहायता प्रदान करवाई। मैं आज अपने कॉलेज की इन दोनों ही अध्यापिकाओं की शुक्रगुजार हूँ। कॉलेज से पढ़ाई खत्म भी नहीं हुई थी कि पिताजी ने मेरी 'शादी' करने की इच्छा की। वह बहुत कठिन समय था मेरे जीवन का जब मैंने अपना फैसला लिया और अपने परिवार के सभी बड़ों के सामने शादी करने से साफ इंकार कर दिया। उन सभी परिस्थितियों के साथ मैंने अपनी कॉलेज की पढ़ाई खत्म की। सफर कठिन है लेकिन हार न मानना मेरी फितरत बन गई थी। कॉलेज खत्म करने के बाद मैंने एक संस्था में काम करना शुरू किया जो सामाजिक कार्य करती है और वस्तुतः एक बड़ा गैर सरकारी संगठन भी है। इसके द्वरा संचालित सुप्रीम टास्क इन्टरनेशनल स्कूल में मैं आज अध्यापिका के रूप में बच्चों को शिक्षा दे रही हूं। मैं शाम को ट्यूशन क्लास भी देती हूं और अपनी 'आय' से आगे की शिक्षा (बी.एड.) भी प्राप्त कर रही हूँ। अपने परिवार को भी सभी प्रकार की सहायता प्रदान करती हूँ और 'नानी माँ' के घर में अनेक से खर्च मैं ही पूरा करती हूँ। जिस प्रकार एक सोना अनेक बार अग्नि परीक्षा देकर सुनहरा दिखता है, उसी प्रकार लगातार प्रयास करके एक व्यक्ति निखरकर दिखाई देता है। बस कुछ ऐसा रहा मेरा-संघर्ष !!